राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 16.00 संख्या 120
सपेरा
एक पॉकेट पैड मुफ्त
अनुपम

कलाओं में सर्वोच्च कला है। एक मस्तीभरी धुन हमारे पैरों को बरबस थिरकने पर मजबूर कर देती है, और उसी धुन के सुरों को बदलकर अगर मार्मिक बना दिया जाए तो हमारी आंखें, आंसू बहाने पर विवश हो जाती हैं। लेकिन संगीत की जादूगरी यहीं पर खत्म नहीं होती है! प्रयोगों द्वारा सिद्ध किया जा चुका है कि संगीत का प्राणियों एवं पौधों जैसी जीवित वस्तुओं पर भी आश्चर्यजनक प्रभाव होता है। गाय, भैंस संगीत के प्रभाव से ज्यादा दूध देने लगती हैं और पौधों एवं फसलों के बढ़ने की रफ्तार किसी खास संगीत को सुनकर कई गुना तेज हो जाती है। लेकिन संगीत का एक दूसरा घातक रूप भी है। तानसेन, दीपक राग से दिए जला देते थे, मेघ मल्हार से बादलों को बुलाकर पानी बरसा देते थे। बैजू-बावरा जैसे योगी संगीतकार पानी में आग लगाने जैसा करिश्मा भी दिखा चुके हैं...
... आज के युग में वह कला फिर जिन्दा हो चुकी है। लेकिन अब उसका रूप और प्रलयंकारी हो गया है। 'स्पीकर' एवं 'एम्प्लीफायर' जैसे इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों द्वारा संगीत की तरंगें सैकड़ों गुना शक्तिशाली बन गई हैं। और उनका क्या असर हो सकता है, यह नागराज आज अपनी आंखों से देख रहा है–
आज ऊंट पहाड़ के नीचे आया है! मैंने बीन की धुन द्वारा तेरे सांपों को पहले ही तेरे शरीर से बाहर निकाल दिया है। और अब इन दस हजार वॉट के स्पीकरों से होकर दीपक राग की तरंगें तेरे शरीर को ऐसे भून देंगी, जैसे मोमबत्ती की लौ पतंगे को भस्म कर देती है। आज तू अपने मालिक से मिला है नागराज! क्योंकि तू है एक मजबूर नाग और मैं हूं...
सपेरा
कथा : जॉली सिन्हा
चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विट्ठल कांबले
सुलेख व रंग : सुनील पाण्डेय
सम्पादक : मनीष गुप्ता

इस टकराव का कारण था यह समाचार, जो लगभग दो महीने पहले प्रकाशित हुआ था। लेकिन अब तक इस खबर की गर्मी खत्म नहीं हुई थी–
म... मैं आपसे इस... इस बारे में कुछ जानकारी हासिल करने आया हूं, मिस...
...नीलोफर मैनन!
तुमसे पहले लगभग पचास रिपोर्टर मेरे इस जिम से आकर लौट चुके हैं। कुछ खड़े होकर गए थे, और कुछ लेटकर। मैं पिछले दो महीने से तुम टी॰ वी॰ वालों और अखबार वालों को बता रही हूं कि मुझे अपने घरेलू मामलों को मीडिया वालों के मुंह से सुनने का कोई शौक नहीं है!...
...यह बात मैंने इस लड़की को भी बता दी थी। मेरे पिता के गायब होने से तुम लोगों का न ही कोई संबंध है, और न ही होना चाहिए! नाऊ गेट लॉस्ट, फास्ट!

मिस बीलीफर!
मेरी मदद के लिए पुलिस ही काफी है! मुझे प्रेस और मीडिया की मदद नहीं चाहिए।
पुलिस भी जनता की मदद के बगैर खास कुछ नहीं कर पाती!
और अगर पुलिस ऐसा कर सकती तो 'क्राइम टाइम' और 'इंडियाज़ मोस्ट वांटेड' जैसे प्रोग्रामों की तो टी॰ वी॰ पर दिखाने की जरूरत ही न पड़ती!...
... और न ही पुलिस को गुमशुदा व्यक्तियों और भगोड़े अपराधियों की टी॰ वी॰ पर फोटो दिखाने की जहमत उठानी पड़ती!
शायद आपके पिता के बारे में टी॰ वी॰ पर एक प्रोग्राम दिखाने से कोई व्यक्ति उनके बारे में कुछ बता सके...
... जिससे उनको तलाश करने में कुछ मदद मिल सके!
हुम, बात तो अच्छी तरह से समझाई तुमने! पर मैं कमजोर लोगों से बात नहीं करती! ताकतवर लोगों से करती हूं!
एक शर्त पर मैं तुमको जानकारी दूंगी! ये 'स्लेबस' के तीन ब्लॉक रखे हुए हैं, अगर तुम इनको एक वार में तोड़ दो तो मैं तुमको वह सब बता दूंगी जो तुम पूछोगे, मिस्टर...
र... राज! राज नाम है मेरा! मैं आपनी कम्युनिकेशंस में जनसम्पर्क अधिकारी हूं, कोई जूडो-कराटे का ब्लैक बेल्ट नहीं! इन... इन ब्लॉक को तोड़ने के चक्कर में तो हाथ ही टूट जाएगा मेरा! कोई आसान सी शर्त बताइए!
मैंने कहा न, मैं कमजोरों से बात नहीं करती! तुम लौट जा सकते हो! आउट!
एक मिनट! हम रिपोर्टर हैं! किसी भी कीमत पर रिपोर्ट प्राप्त करना ही हमारा काम है! मैं तोड़ूंगी ये ब्लॉक्स!

तुम पागल तो नहीं हो गई हो निशा! हम ये काम कैसे कर सकते हैं?
नहीं करोगे तो वापस जाकर 'न्यूज स्वीडिटर' को क्या जवाब दोगे? अब हाथ जाए या रहे मैं तो इनको तोड़ने का प्रयत्न करके ही रहूंगी।
अच्छा! अच्छा! अगर हाथ ही तुड़वाना है तो मैं ही तुड़वा लेता हूं!
म... मैं तोड़ूंगा... मेरा मतलब... तोड़ता हूं इन ब्लॉक्स को! (मन में)
वैसे तो मैं एक उंगली से भी इन ब्लॉक्स को तोड़ सकता हूं। लेकिन अगर राज ने ज्यादा काबलियत दिखाई तो नागराज का रहस्य खुल जाने का खतरा हो सकता है। और अगर नहीं दिखाई तो निशा अपना हाथ तुड़वा लेगी। कहां फंस गया मैं?
एक रास्ता है! जिससे राज डरपोक का डरपोक भी रहेगा, और ये ब्लॉक्स टूट भी जाएंगे!
राज ने अपना आगे बढ़ता कदम जानबूझकर, जमीन पर टूटे पड़े ब्लॉक में फंसा दिया–
वह लड़खड़ाया–
और कुहनी के बल एस्बेस्टस ब्लॉक्स पर आ गिरा–
राज की चीख के साथ-साथ 'कड़ाक' की भी एक आवाज गूंजी–
ब्लॉक्स टूट गए थे–

...किन राज की कराहना नहीं रुका था–
ओऽऽऽह! मेरी कुहनी! लगता है टूट गई है!
हा हा हा! लेकिन तुमने अनचाहे ही ब्लॉक्स को तोड़कर शर्त जरूर पूरी कर दी है! अब मैं तुमको सारी कहानी बताऊंगी!
रवि सेनन मेरे सौतेले पिता थे... या कहो कि हैं! मेरी मां से उनकी मुलाकात स्वीडन के एक दौरे के दौरान हुई थी। शादी के बाद मां भी इंडिया आ गई और मैं भी। पर डैडी से मैं कुछ नहीं सीख सकी! क्योंकि मेरे शौक अलग थे, और डैडी के अलग वैसे डैडी एक महान संगीतकार थे। उनका मानना था कि संगीत को सिर्फ मनोरंजन का साधन बनाना गुनाह है...
...उन्होंने संगीत के अन्दर कुछ अत्यंत महत्त्वपूर्ण गुणों को ढूंढ निकाला था!
सबसे पहला प्रयोग उन्होंने चूहे और तिलचट्टे जैसे जीवों पर किया था! संगीत की खास धुनों को सुनकर ये जीव स्वयं खिंचे चले आते थे और उनको नष्ट करना आसान हो जाता था। इस तरीके में न तो कोई खर्च था और न ही मेहनत!
दूसरा प्रयोग उन्होंने फसलों पर किया। संगीत की तरंगों ने फसलों पर आश्चर्य-जनक असर दिखाया। फसलों के बढ़ने की गति के साथ-साथ उनके अन्दर अपने आप, कीड़ों से प्रतिरोध करने की शक्ति पैदा हो गई। और वह भी बिना एक भी चुटकी खाद डाले। इतना करने के बाद डैडी ने अपना ध्यान उन धुनों की तरफ लगा दिया, जिनका जिक्र तो सुनने में आता है, लेकिन अब वे लुप्त हो चुकी हैं। जैसे... तानसेन का दीपक राग और मेघ मल्हार! ...
ओह! पर उन्होंने अपनी बजाई खास धुनों की कैसेट या 'कॉम्पैक्ट-डिस्क' क्यों नहीं निकाली?
उन संगीत तरंगों का असर तभी होता है जब वे खुद किसी साज पर बजाई जाएं। कैसेट या सी. डी. की विद्युत चुंबकीय तरंगें वैसा असर पैदा नहीं कर पाती हैं!
...वे इसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे, जब वे अचानक गायब हो गए!
ओह! पर वे गायब होने वाले दिन किससे मिलने गए थे? आपको कुछ तो जरूर पता होगा!

वह तो मुझे नहीं पता! कोई फोन आया था, और उसे अटेंड करने के बाद डैडी ने एक फोन किया था! उनकी बात मैं सुन नहीं सकी। लेकिन फोन करके डैडी तेजी से बाहर चले गए। और फिर मैंने उनको नहीं देखा।
आपको किसी पर शक है? मेरा मतलब... आपके पिता की किसी से व्यक्तिगत या फिर व्यवसायिक दुश्मनी तो नहीं थी?
जातीय दुश्मनी तो उनकी किसी से नहीं थी। पर संगीत के क्षेत्र में एक दूसरे की उपलब्धियों से ईर्ष्या करने वाले बहुत होते हैं।
मेरा शक किसी ऐसे संगीतकार पर ही है, जो डैडी से जलता होगा और उनकी गुप्त धुनों को हासिल करना चाहता होगा!... और अगर ऐसे किसी आदमी ने उन धुनों को हासिल कर लिया तो फिर संगीत मधुर नहीं रह जाएगा, विनाशकारी बन जाएगा।
परन्तु अगर मुझे ऐसे किसी भी संगीतकार के खिलाफ एक भी सबूत मिल गया तो...
लीलाफर की एक-एक बात को ध्यान से सुन रहा राज रूपी नागराज एकाएक चौंक उठा—
ओह! 'रॉक हिल्स' इलाके से मेरे जासूस सर्प के संकेत आ रहे हैं! मुझे तुरन्त वहां पर पहुंचना होगा!...
...निशा, तुम इंटरव्यू खत्म करके ऑफिस चली जाना! मुझे एक जरूरी काम याद आ गया है। उसे निपटाकर मैं भी ऑफिस पहुंच जाऊंगा!
कुछ ही पलों बाद, महानगर के नीले आकाश पर एक हरी आकृति लहरा रही थी—
संकेत काफी तेजी से बार-बार आ रहे हैं।
मामला काफी गंभीर लगता है! मुझे जल्दी से जल्दी रॉक हिल्स पहुंचना होगा!

'रॉक हिल्स' एक व्यवसायिक इलाका था, जहां पर अधिकतर ऐसे गोदाम थे जहां पर व्यापारी अपना माल रखते थे–
ओह! कुछ लुटेरे चूरिया का एक गोदाम वहीं के मजदूरों से बन्दूकों की नोक पर लुटवा रहे हैं!
लेकिन मेरे होते हुए ये चूरिया तो क्या, चूरिया के खाली बोरे भी नहीं लूट सकते!
तुम अपराधी लोग जब भी मुझे देखते हो, चिल्लाने लगते हो! पर फिर भी अपनी आदत से बाज नहीं आते! सोचते हो कि नागराज हर जगह पर तो पहुंच नहीं सकता...
...पर तुम नागराज से एक बार बच सकते हो, दो बार बच सकते हो। पर बार-बार नहीं बच सकते!
धाड़
ना... नागराज!
तू भी हमेशा बचा नहीं रहेगा नागराज! तेरी मौत भी एक न एक दिन तो आनी ही है!

और तेरा दिन, घंटा, और मिनट शायद आ गया है!
आह!
इस मामूली गुंडे से इतनी फुर्ती की उम्मीद मैंने नहीं की थी!
मेरी सर्प सेना को इसकी घूमती तलवार नुकसान पहुंचा सकती है! विष फुंकार का प्रयोग करता हूं!
अरे! इसकी घूमती तलवार पंखे के ब्लेड का सा काम कर रही है। मेरी विष फुंकार इधर-उधर बिखरकर अपना पूरा असर नहीं दिखा पा रही है!
वैसे तो मैं अपनी विष फुंकार की तीव्रता को बढ़ाकर इसको बेहोश कर सकता हूं! लेकिन मैं इसको इसके ही तरीके से हराना चाहता हूं!...
... और 'नानचाकू' की तरह से घूमती इन तलवारों को रोकने का एक मुश्किल रास्ता ही है, जो मुझे चीन यात्रा के दौरान सीखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। और वह यह कि 'नानचाकू' से बचते हुए, दुश्मन की मांसपेशियों की हरकत पर ध्यान लगाकर नानचाकु के घूमने की दिशा का पहले से आभास लगाओ, और फिर अपने हाथ को उसी दिशा में 'नानचाकू' के साथ-साथ घुमाओ ...

...और जब हाथ की गति 'नानचाकू' जितनी ही जाए तो आराम से हाथ बढ़ाकर नानचाकू को पकड़ लो।...
...और उसके बाद का काम तो एकदम आसान है।
लेकिन साथ ही साथ वह थोड़ा चकित भी था
नागराज ने यह लड़ाई तो आसानी से जीत ली–
कमाल है! यहां तो किस्सा ही खत्म हो गया। पर ये तो एक मामूली सा अपराध था, और ये रोजमर्रा के अपराधी!... लेकिन मेरा जासूस सर्प जिस तीव्रता से संकेत भेज रहा था, उससे तो मुझे यह आभास हुआ था कि यहां पर कोई बड़ा खतरा मौजूद है! यहां पर तो ऐसा कुछ नहीं दिखा... खैर, अपने सर्प से ही असली बात का पता लगा लेता हूं!
नागराज ने अपना कदम बढ़ाया तो सही–
लेकिन खुद आगे नहीं बढ़ पाया–
अरे! यह संगीत की ध्वनि कहां से आ रही है! यह तो मेरे शरीर में थरथराहट पैदा कर रही है!
मेरा पूरा शरीर कांप रहा है! खड़ा नहीं हुआ जा रहा है!
अभी से गिर रहा है?
अभी तो तेरा इससे भी बुरा हाल होने वाला है नागराज!...

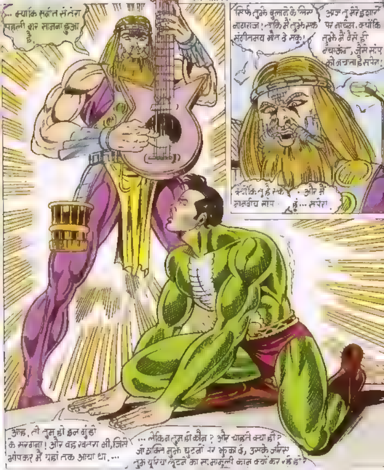
...क्योंकि सपेरे से तेरा पहली बार सामना हुआ है।
सिर्फ तुझे बुलाने के लिए नागराज! ताकि मैं तुझे एक संगीतमय मौत दे सकूं!
आज तू मेरे इशारे पर नाचेगा, क्योंकि तुझे मैं वैसे ही नचाऊंगा, जैसे सांप को नचाता है सपेरा!
क्योंकि तू है एक मानवीय सांप
...और मैं हूं... सपेरा।
आह, तो तुम हो इन गुंडों के सरगना! और वह खतरा भी, जिसे भांपकर मैं यहां तक आया था...
...लेकिन तुम हो कौन? और चाहते क्या हो? जो शक्ति मुझे घुटनों पर झुका दे, उसके जरिए तुम यूरिया लूटने का सा मामूली काम क्यों कर रहे हो?

के दरवाजे को ध्यान से नहीं देखा। उस दरवाजे को बलद ने नहीं बल्कि संगीत तरंगों से उड़ाया गया था ।
ठीक ऐसे ही जैसे अब मैं तुझे उड़ाने जा रहा हूँ
आह, लेकिन वह दरवाजा तो ऐसा तुड़ामुड़ा गया था, जैसे उस पर किसी मैकेट से सीधा वार किया गया हो!
कुछ ऐसा ही समझलो, लोहे के दरवाजे में लचक नहीं होती, इसलिए वह जरा जल्दी टूट गया था, इन्सानी शरीर में जरा लचक होती है, इसलिए संगीत तरंगें थोड़ा अधिक समय लेंगी पर तू मरेगा जरूर
संगीत तरंगों की लहरों ने नागराज को उठाकर दूर फेंक दिया--
और असली ही पल नागराज को अपने हाथों को कानों पर रख लेना पड़ा--
आऽऽ ह! संगीत की ध्वनि और तीव्र हो गई है!
कान बन्द करने के बावजूद भी अंदर घुसी आ रही है!
इस आवाज से बचना होगा, और यह काम सिर्फ एक तरीके से ही किया जा सकता है--

नागराज, अपनी सर्प सेना द्वारा बनाई गई सुरंग के अन्दर घुस गया-
और सपेरा आश्चर्यचकित रह गया-
अरे! यह तो चूहे की तरह बिल में घुस गया! पर ये भागेगा कहां...
...इस बार मैं ऐसी धुन बजाऊंगा...
...कि नागराज खुद ही सम्मोहित होकर...
तथास्तु, और ये गया तेरा गिटार, अब न रहेगा वाद्य और न बजेगा संगीत,

सपेरा
इस प्रहार के साथ ही खत्म हो जाएगा तेरा घातक संगीत
अब बता! तुझे यह घातक संगीत शक्ति कहां से मिली?
कहीं ये संगीत रवि मेनन का ही तो नहीं है? और अगर है तो यह व्यक्ति या तो खुद रवि मेनन है, या इसने रवि मेनन से जबरन यह ज्ञान हासिल किया है! काश, मैं नीलोफर के पास एक बार रवि मेनन की फोटो देख लेता
...कि उसे उखाड़ने के लिए वह झटका जरूरी था—
सपेरे के पास संगीत तो है ही। परन्तु भूल गया कि इस संगीत को घातक बनाने के लिए इसे दस हजार वॉट के 'स्पीकर एम्प्लीफायरों' से गुजारा जाता है, जो मेरी बांहों पर बंधे हैं!... और इनको पॉवर देने के लिए जो 'बैटरी पैक' मेरी कमर से बंधी है, उसका एक झटका तेरे जैसे शक्तिशाली को भी पटक देने के लिए पर्याप्त है!
आ ऽऽऽऽह

और विष फुंकार यह मत समझना कि तूने मेरे संगीत को खत्म कर दिया है. मैं बंदरों की धार मेरी हड्डियों को चूर-चूर करके उन्हें मेरी खाल के ढेर में भर देगी
इस पर विष फुंकार का प्रहार करना ही पड़ेगा
तीव्र विष फुंकार का प्रहार!
नवरत्न का विष फुंकार का प्रहार-
ज्यादा असरदार नहीं रहा-
उफ, हल्का सा चक्कर आ गया. मेरी विष फुंकार तो बस व्हिस्की के दो पैग जितना नशा है और सुन, तू मेरी जो आवाज सुन रहा है, वह मेरी नहीं है, मैकेनिकल है। और यह इसलिए क्योंकि 'नवरत्न' नष्ट हो जाने के कारण मेरे गले में 'पॉयज़न फिल्टर' फिट किया गया है
आऽऽह, इसकी हर थाप में ऐसा लग रहा है, जैसे बंदरें मेरी छाती के अन्दर बज रहा हो. मांस, हड्डियों से अलग होता सा महसूस हो रहा है।
और यह 'पॉयज़न फिल्टर' मेरे फेफड़ों के लिए फिल्टर का काम भी करता है. इसीलिए मेरी फुंकार का मुझ पर खास असर नहीं होता.
उफ, मैं कुछ नहीं कर पा रहा हूं और ये भीषण कंपन मेरे शरीर के अंग और अन्दरूनी अंगों को हिलाते जा रहे हैं. आखिर कब तक...

नागराज ने एक किलमण सर्प किल्ली बनानी शुरू कर दी-
ठीक वैसे ही अब मैं तेरी हेकड़ी खत्म करने जा रहा हूं

यह इतना आसान नहीं है, नागराज, क्योंकि जानते हो, मेरी कलाई पर क्या बंधा हुआ है? यह एक 'कीबोर्ड सिंथेसाइजर' है और इसके साथ हैं इनर्जी भी बैटरियां। चूंकि इसकी आवाज 'स्पीकरों' से होकर नहीं निकलेगी, इसलिए तुम पर शायद इनके संगीत तरंगों का असर न हो
...लेकिन किसी और पर इसका असर जरूर होगा।
तू मुझे बातों में उलझाकर भागने की कोशिश कर रहा है। लेकिन तू भाग नहीं पायेगा. मेरी संगीत तरंगों का असर विफल हो गया है तो तू कहानियां सुना रहा है!
लेकिन सपेरा कहानियां नहीं सुना रहा था और इसका पता नागराज को अगले ही पल, लग गया—
ओह. चारों तरफ से शहर के आवारा कुत्ते इधर ही आ रहे हैं इनके इरादे ठीक नहीं लग रहे हैं.
ओह, ये मुझे काट रहे हैं. और मेरे तीव्र विष के इनके खून में मिलने से इनके शरीर गलते जा रहे हैं!
तो ये था तेरा दूसरा वार; लेकिन यह वार भी बेकार गया. अब तू मुझे अपना पीछा करने से कैसे रोकेगा?

सिर्फ यह याद के लिए था नागराज कि अगर तुझे काट ले तो उसका क्या होगा। मेरा असली वार तो अभी तुझे झेलना बाकी है!
एक और जहरीली धुन, 'सिंघ बुक' से निकलकर हवा में तैरने लगी—
और नागराज को असली खतरे का आभास होने लगा—
ओह, इस बार संगीत की धुन, इन रंगरूटों के मज़दूरों को सम्मोहित करके मेरी तरफ खींच रही है।..
और ये भी इसी तौर पर करेंगे, जो उन कुत्तों ने किया था, और इनका भी वही हश्र होगा, जो उन कुत्तों का हुआ है। इनको रोकना होगा!...
इनको रोकने के चक्कर में सपेरा हाथ से निकला जा रहा है। रवि मंडल की गुत्थी सुलझाने के लिए इसका पकड़ा जाना बहुत जरूरी है।

राज कॉमिक्स
निपट लूंगा। लेकिन जिस रास्ते से सपेरा भागा है, उस रास्ते के सारे गोदामों के मजदूर भी इधर ही आ रहे हैं। मुझे यहां से भागना होगा ...
... लेकिन चूंकि भागने के सारे जमीनी रास्तों पर मजदूर हैं ...
... इसलिए आसमानी रास्ता अपनाना पड़ेगा। यहां पर रुकतो सम्मोहित मजदूरों के कटे जाने का खतरा नहीं रहेगा, और दूसरे इतनी ऊंचाई से मैं यह भी देख सकूंगा कि सपेरा भाग कहां पर रहा है
जल्दी ही नागराज को सपेरा नजर आ गया—
वह रहा सपेरा,
वह इस पुरानी सीवर लाइन में घुस रहा है, जिसका प्रयोग अब सिर्फ बारिश के अतिरिक्त पानी को निकालने के लिए किया जाता है
लेकिन ये पाताल में भी घुस जाए, तो भी मैं इसका पीछा नहीं छोड़ूंगा
नागराज भी सपेरे के पीछे पीछे सीवर लाइन में घुस गया—
GODOWN

अरे, यहां तो एकदम शान्ति है
किस तरफ गया है?
अब तो उसे ढूंढना नामुमकिन... ओह, वह रहा सपेरा लेकिन
कहीं सपेरा कोई चाल तो नहीं चल रहा है! खैर, कुछ भी हो इसके पीछे
कहीं सपेरा इसी रास्ते से तो नहीं भागा है? अन्दर
क्या? बड़ी तेज सड़ांध आ रही है!

...ही था वह एक उजाड़ और जीर्ण-शीर्ण इमारत का तहखाना ही था, और इस सड़ांध का कारण थी एक.
...लाश... यह तो एक लाश है! और इस बेसमेंट में रहने वाले बेशुमार चूहों ने इस लाश के मांस के एक-एक टुकड़े को नोच खाया है लेकिन इतने सारे चूहे आए कहां से?
और इससे भी महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि यह लाश किसकी है, और कब से यहां पर पड़ी है?
कोट की जेबों की तलाशी लेकर देखता हूं! शायद इसकी पहचान का कोई सूत्र मिल जाए.

...हो चुके कोट की जेब में एक पक्का सबूत मिल गया –
य... यह तो ड्राइविंग लाइसेंस है। रवि मेनन का, पर सपेरा की शक्ल इसमें लगी फोटो से नहीं मिलती! यानी सपेरा, रवि मेनन नहीं है
पर अगर सपेरा रवि मेनन नहीं है तो फिर यह लाश रवि मेनन की ही होनी चाहिए, इसका मतलब रवि मेनन को मार डाला गया है, और यह काम 'सपेरा' का ही हो सकता है!...
...क्योंकि इसके पास ही इस वक्त रवि मेनन की चीजें और ... मौजूद हैं....
...मुझे लग रहा है कि सपेरा का मकसद लड़की का अपहरण ही ... मुझे रवि मेनन की लाश के पास तक लाना था पर क्यों?
सिर्फ एक बात समझ में नहीं आ रही है!...
और फिलहाल तो ... पुलिस को सूचना देकर यहां पर बुलाना होगा ताकि, लाश की शिनाख्त भी हो सके, और कानूनी कार्यवाही भी!
कुछ ही देर बाद उस उजाड़ इमारत के तहखाने में भीड़ जमा हो गई थी –
तुम्हारी खबर मिलते ही मैंने पापा के पर्सनल डॉक्टर वसंत माथुर को भी फोन करके बुला लिया था। ... मृतक ... ये उसकी शिनाख्त कर सकते हैं
कुछ ही मिनटों के गहन परीक्षण के बाद डॉक्टर वसंत ने नतीजा निकाल लिया था –
शक की गुंजाइश नहीं है, यह रवि की ही लाश है

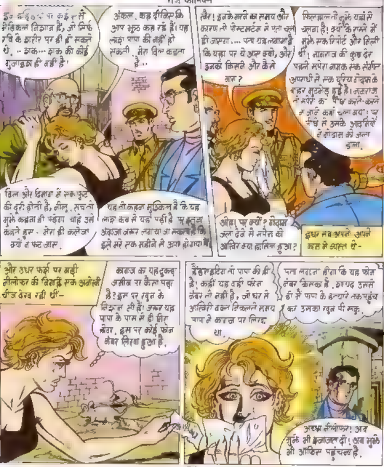
मेडिकल निशान हैं, जो सिर्फ रवि के शरीर पर ही हो सकते थे, -- शक... शक की कोई गुंजाइश ही नहीं है।
अंकल, कह दीजिए कि आप झूठ कह रहे हैं। यह लाश पापा की नहीं हो सकती, मेरा दिल कहता है...
दिल और दिमाग में एक फुट की दूरी होती है, नीलू, सच तो मुझे कहना ही पड़ेगा चाहे उसे कहने हुए मेरा ही कलेजा क्यों न फट जाए.
यह तो कहना मुश्किल है कि यह लाश कब से यहां पड़ी है पर इतना अंदाजा जरूर लगाया जा सकता है कि इसे मरे एक महीने से ऊपर हो गया है।
खैर! इनके मरने का समय और कारण तो पोस्टमार्टम से पता चल ही जाएगा, ... पर यह लगता है कि यहां पर ये आए क्यों, और इनको किसने और कैसे लाया?
फिलहाल तो मुझे यहां से चलना है! क्योंकि रास्ते में मुझे एक रिपोर्ट और मिली थी। नागराज की कुछ देर पहले सपेरा नामक एक संदिग्ध अपराधी से एक पुरिया गोदाम के बाहर मुठभेड़ हुई है। नागराज ने सपेरे का पीछा करते-करते न जाने कहां चला गया! पर पीछे से उसके आदमियों ने गोदाम को जला डाला.
ओह! पर क्यों? गोदाम जला देने से सपेरा को आखिर क्या हासिल हुआ?
इधर सब अपने अपने काम में व्यस्त थे -
और उधर फर्श पर पड़ी नीलोफर की निगाहें एक अनोखी चीज देख रही थीं-
कागज का यह टुकड़ा जमीन पर कैसा पड़ा है? इस पर खून के निशान भी हैं! जरूर यह पापा के पास से ही गिरा होगा. इस पर कोई फोन नंबर लिखा हुआ है.
हैंडराइटिंग तो पापा की ही है! कहीं यह वही फोन नंबर तो नहीं है, जो घर से आखिरी वक्त निकलते समय पापा ने कागज पर लिखा था.
पता लगाना होगा कि यह फोन नंबर किसका है, शायद उससे ही मैं पापा के हत्यारे तक पहुंच कर उसका खून पी सकूं.
अच्छा नीलोफर! अब मुझे भी इजाजत दो! अब मुझे भी ऑफिस पहुंचना है.

एक मिनट, राज! यह इंस्पेक्टर संगीन्ड अपराधी की क्या बात कर रहा था? कौन है यह 'सपेरा' नाम का अपराधी?
डिटेल तो मुझे भी पता नहीं है, नीलोफर! पर इतना जरूर लगता है कि यह कोई ऐसा अपराधी है, जिसने संगीत को अपना अधिकार बनाया हुआ है.
ओह... कहीं 'सपेरा' ही वह हत्यारा तो नहीं है, जिसकी मुझे तलाश है. कल तक मेरे पास पापा के खूनी के बारे में एक भी क्लू नहीं था...
...आज मुझे सारी स्थिति स्पष्ट रूप से पता चल गई है और हत्यारे तक पहुंचने का रास्ता भी मिल गया है.
हत्यारे तक पहुंचने का रास्ता? वह क्या है?
छोड़ो. पहले यह बताओ कि तुम आखिर इस उजाड़ इमारत के बेसमेंट में पड़ी मेरी पापा की लाश तक पहुंचे कैसे?
ओ... वो... दरअसल तुम्हारे जिम से निकलने के बाद मैंने एक टैक्सी ली. वह बहुत रैश ड्राइविंग कर रहा था. जब डर के मारे मुझे चक्कर आने लगा, तो मैं टैक्सी बीच रास्ते में ही रोककर उससे उतर गया.
फिर काफी देर तक सुनसान में कोई सवारी ही नहीं मिली. पर एक कुत्ता मेरे पीछे जरूर पड़ गया. उससे बचने के लिए...
मैं भागा... न जाने कहां से नागराज आ गया! उसने मुझे कुत्ते से बचाया! और यह भी बताया कि पास की उजाड़ इमारत के तहखाने में एक लाश पड़ी है. मैंने पहले जाकर लाश को देखा, और फिर पुलिस को और तुमको खबर कर दी.
रैश ड्राइविंग से डर आ गया? कुत्ते के भौंकने से डर गए? कम ऑन राज! तुम इतने डरपोक हो नहीं, जितना बन रहे हो. मैं किसी फाइटर को आंख बन्द करके भी पहचान सकती हूं और तुम... एक फाइटर हो.
तुम्हारी बात सच होती! चाहता तो मैं भी हूं कि मैं डरपोक नहीं, एक फाइटर बनूं.
नागराज पर शक करने वालों की लिस्ट भी लंबी हो रही थी।
और उसके दुश्मनों की लिस्ट भी-
रवि मेनन की मौत की खबर तो दुनिया को पता चल गई लेकिन अभी कुछ और लोगों को मरना है.
और इस काम को पूरा करने के दौरान मुझे नागराज से फिर जरूर टकराना पड़ेगा!
मुझे नागराज का काट तैयार करना पड़ेगा! वर्ना वह मुझे काट डालेगा!

और अपना काम पूरा करने से पहले मैं किसी भी कीमत पर हारना नहीं चाहता!
घबराओ मत! तुमने नागराज पर अपनी शक्तियों से वार किया था, इसलिए तुम हार गए. तुम नागराज की कमजोरियों पर वार करो. और नागराज की कमजोरी है, उसकी शक्तियों का स्रोत होना
नागराज की शक्ति है, उसके शरीर में वास करने वाले सूक्ष्म सर्प. और सांपों की कमजोरी है बीन की धुन
मैं समझ गया, मुझे अपने संगीत यंत्रों में बीन को शामिल करना होगा! लेकिन उससे पहले मुझे रवि शंकर की धुनों को परफेक्ट करना होगा जिन पर वह मरने से पहले काम कर रहा था, जैसे 'दीपक राग' और मेघ मल्हार
लेकिन उसकी अस्मिता को मैं प्राप्त करूंगा कैसे?
.. क्योंकि ये राग मुझे वह शक्ति दे देंगे, जिसके सामने न तो मेरे दुश्मन टिक पाएंगे, और न ही नागराज.
सपेरा के दुश्मन भी, सपेरा के अस्तित्व में आने की खबर से वाकिफ हो रहे थे-
सरकार, सरकार! हमारा गुड़िया वाला गोदाम जल गया है! अभी-अभी वहां का एक मजदूर खबर लेकर आया है!
जल गया, पर कैसे? हमको पहले खबर क्यों नहीं मिली?
.. क्योंकि गोदाम जलाने वाले गुंडों ने पहले मजदूरों को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया था! खबर कौन देता? वैसे पुलिस ने उन गुंडों को गिरफ्तार कर लिया है!
कौन थे वेग लाखों का नुकसान करने वाले ये कमीने?

'सपेरा' नाम के आदमी के गुंडे थे, सरकार. सपेरा को अभी तक पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई है.
सपेरा? ये जादूशाह का कौन सा नया दुश्मन पैदा हो गया, टकले.
और फिर टकला जादूशाह को सुनी सारी दास्तान सुनाता चला गया-
और सुनते-सुनते जादूशाह के माथे पर परेशानी की लकीरें पड़ने लगीं, और आंखें सिकुड़ती चली गईं-
ओह. पर ये सपेरा हमारे पीछे क्यों पड़ा है? हमारा नुकसान क्यों करना चाहता है?
ओह, कहीं ये... अच्छा? मैं कुछ-कुछ समझ रहा हूं कि ये कौन हो सकता है? तुम चारों तरफ आदमियों को तैनात कर दो.
जहां तक मैं समझ रहा हूं, उस सपेरे का अगला हमला यहीं पर होगा
इस बात का आभास दूसरों को भी हो गया था-
ये रहे वे गुंडे, जिन्होंने गोदाम में आग लगाई थी इंस्पेक्टर. हमने इनसे हर तरह से पूछताछ कर ली, पर ये नहीं जानते कि सपेरा कौन है, और ये मेनन को किसने मारा? ये सिर्फ यही कह रहे हैं कि ये किशन के गुंडे हैं और सपेरा ने इनको सिर्फ गोदाम लूटने और असफल होने की स्थिति में जलाने के लिए पैसे दिए थे.
पर एक और नई और महत्त्वपूर्ण जानकारी मिली है. आओ, मैं तुमको एक अड्डे में लिए चलता हूं!

कौन है ये ?
ये एक दूधिया है! दूधवाला उसी उजाड़ इमारत के पास अपनी भैंसें चराता है ये. इसने रवि मेनन को दो महीने पहले इमारत के अन्दर घुसते देखा था! इसने रवि मेनन की फोटो से भी उसे पहचान लिया है।
पर इसका कहना है कि उस दिन रवि के साथ एक आदमी और उस इमारत में गया था!...
जी साहब!
... और इसने उस आदमी का जो हुलिया बताया है, वह रवि मेनन के एक संगीतकार दोस्त से एकदम मिलता-जुलता है
तो उस संगीतकार को पकड़कर बुलवाइए! उसको तो सारी बात का पता होगा
इसमें एक समस्या है नागराज, वह संगीतकार चंद्रशेखर भी दो महीने से लापता है और इस वक्त वह कहां है, यह किसी को पता नहीं है।
ओह, सपेरा का कुछ कुछ सुराग तो मिल रहा है।... लेकिन उसने वह पुलिस गोदाम क्यों जलाया? किसका था वह गोदाम?
किसी उद्दू आढ़ नाम के पुलिस डीलर का था। हमने उसे खबर भिजवा दी है,
बेचारे की किस्मत खराब थी, जो सपेरा ने बिना कारण उसी का गोदाम लूटने की कोशिश की
नहीं! यह संयोग नहीं हो सकता कि महानगर के सारे बैंकों, ज्वैलर्स और दुकानों को छोड़कर सपेरा ने उसी गोदाम को लूटने की और जलाने की कोशिश की! इसमें जरूर कुछ संबंध है!
... और वह संबंध क्या है, यह तो उद्दू आढ़ से मिलकर ही पता चल सकता है.
नागराज के साथ-साथ ही—

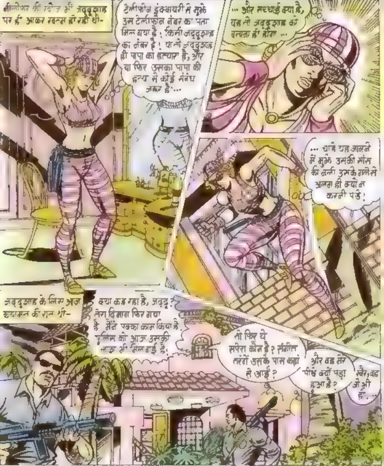
नीलोफर की खोज भी जद्दूशाह पर ही आकर खत्म हो रही थी-
टेलीफोन इंक्वायरी से मुझे उस टेलीफोन नंबर का पता मिल गया है; किसी जद्दूशाह का नंबर है! या तो जद्दूशाह ही पापा का हत्यारा है, और या फिर उसका पापा की हत्या से कोई संबंध जरूर है...
...और सच्चाई क्या है, यह तो जद्दूशाह को बताना ही होगा...
...चाहे यह जानने में मुझे उसकी सांस की नली उसके गले से अलग ही क्यों न करनी पड़े!
जद्दूशाह के लिए आज कयामत की रात थी-
क्या कह रहा है, जद्दू? तेरा दिमाग फिर गया है. मैंने पक्का काम किया है. पुलिस को आज उसकी लाश भी मिल गई है.
तो फिर ये सपेरा कौन है? संगीत तरंगें उसके पास कहां से आईं?
और वह मेरे पीछे क्यों पड़ा हुआ है?
खैर, वह जो भी हो...

अपने आदमी तैनात कर दिए हैं। नपेरा आया तो बचकर वापस नहीं जाएगा
परन्तु भी अपनी सुरक्षा का इन्तजाम कर लें, परन्तु, वर्ना कहीं तेरा भी नम्बर न लग जाए
मेरा नम्बर! हा हा हा! मेरा नम्बर नहीं लगता, बल्कि मैं नम्बर लगाता हूं, अद्दू! यमराज की घण्टी की डोल मोल मुझे तो मेरे पास ही तो है
तेरी मर्जी भाई, मैंने अपने कानों की बात तेरे कानों में डाल दी। अब तू जाने और तेरी जान। मैं रखता हूं फोन
ऊपर से हंस रहे परन्तु की हंसी भी फोन की लाइन की तरह ही कट गई-
क्या हुआ, भाईसा?! क्यूं! किसका फोन था? आप एकाएक गम्भीर क्यों हो गए?
अद्दू कह रहा था कि कोई मशीन से अपराध करने वाला उसके पीछे पड़ा है। तूने काम तो पक्का किया था न?
वह तो मुझे भी पता है, पर ये नया सरीनकार कहां से पैदा हो गया?
किसी के हाथ, उसके अंदर लगा हाथ होंगे, भाईसा, पर आप चिन्ता ओ मत, इसका भी काम लगा दूंगा! परमानेंट फुल एंड फाइनल!
मैं कच्चा काम करता ही नहीं, भाईसा, परमानेंट, फुल और फाइनल काम करता है! च्यू.
इधर बाजी बिछाने की ही बात चल रही थी
और इधर पहला मोहरा अपनी चाल भी चल चुका था-
अद्दूशाह ने पूरी एक बटालियन तैनात कर रखी है.

कहां पर होगा,
पता लगाने में तो पूरी
न ही बीत जाएगी।
...ज्यादा आसान तरीका होगा, जब्बू शाह को अपने तक बुलाना,
और इसके लिए मुझे सिर्फ इतना करना पड़ेगा...
...कि मैं छिप छिपकर बढ़ने के बजाय खुले में आ जाऊं ताकि जब्बू शाह का कोई न कोई आदमी मुझे देखले...
कौन है तू?
खैर: कोई भी हो, मर.
मुझ पर गोली चलाए...
...अब अपनी ऊपर चढ़ी आ रही इन गोलियों की बाढ़ को रोककर...
...मुझे जब्बू शाह का इंटरव्यू लेने ऊपर पहुंच जाना चाहिए
और गोलियों की आवाज सुनकर जब्बूशाह लड़की तक खिंचा चला आया...
...आ गया. शायद यही जब्बू शाह है...

कमजोर इन्सान नहीं था-
लेकिन उसे किसी और तरह के हमले की आशंका थी-
इसीलिए नीलोफर का वार वह बचा नहीं पाया-
आऽऽह, तू कौन है रे छोकरी? मैं तो किसी और का इन्तजार कर रहा था; तुझे मुझसे क्या परेशानी है?
परेशानी तो मुझे तुमसे है ही, पर अब तुझे मुझसे परेशानी होने वाली है, ...लेकिन अगर तुम मुझको चुपचाप यह बता दो कि रवि मेनन का खून तुमने क्यों और कैसे किया तो मैं सिर्फ तुम्हारे हाथ पैर तोड़कर ही तुमको छोड़ दूंगी
रवि मेनन, उसका खून मैंने नहीं किया, लेकिन तू उसकी कौन लगती है? तुझे उसके मरने से दर्द क्यों हो रहा है?
अगर तुमने रवि मेनन का खून नहीं किया तो उसकी लाश के पास तुम्हारा फोन नंबर कहां से आया?
फोन नंबर मेरा फोन नंबर?
खैर, जग्गूशाह तो बहुत जल्दी गिरा, अब तेरी बारी है!
मेरा रवि मेनन की हत्या से क्या संबंध...
...आह,
मुझे पर हमला करने की मूर्खता मत करना, वरना हाथ की हड्डी पैर में पहुंचा दूंगी। और तुम ढूंढते रह जाओगे
अब बताओ, वह हत्या तुमने नहीं की तो किसने की? क्या जानते हो तुम उस हत्या के बारे में ऽऽऽ
धड़ःकच

सरकार से नहीं, मुझसे पूछ छोकरी! और अगर मैं न बताऊं तो मेरी हड्डियां तोड़कर देख टकला कहते हैं मुझे!
बरसों पहले सरकार के कुछ दुश्मनों ने मुझे ट्रक के नीचे दबाकर मारने की कोशिश की थी! मैं तो लगभग मर ही गया था, बदन की हर हड्डी के टुकड़े हो गए थे, पर सरकार ने मुझे बचा लिया, पैसा पानी की तरह बहा दिया...
मेरे पूरे बदन में तीस किलो स्टील लगा, लेकिन हड्डियां भी जुड़ गईं और मैं ठीक हो गया.
अब सरकार पर हाथ उठाने के जुर्म में मैं तेरी वैसी ही हालत कर दूंगा, जैसी मेरी हालत ट्रक ने कर दी थी!
नीलोफर के हाथ, कंक्रीट की स्लैब तक को तोड़ सकते थे-
लेकिन स्टील तोड़ने की उन्होंने कभी कोशिश नहीं की थी-
वार करने के साथ नीलोफर खुद ही कराह उठी-
आऽऽह.
और अगले ही पल, टकले ने उसे एक बार फिर कराहने के लिए मजबूर कर दिया-
आऽऽऽह!
इधर अन्दर एक जोरदार लड़ाई चल रही थी-
लेकिन बाहर तैनात पहरेदारों को अभी तक इसकी भनक नहीं लग पाई थी-
उनका पहरा, पहले की तरह ही जारी था-

और अब उनके पहरेदारों की जाँच का समय आ गया था-
नागराज! तु... तुम... मेरा मतलब आप यहां पर?
मुझे जबर्दस्त से मिलना है। बताओ कि वह कहां पर मिलेगा? और इतना पहरा क्यों लगा रखा है उसने?
पहरा इसलिए है ताकि कोई बिना सरकार की मर्जी के उनसे न मिल सके!...
-और जहां तक मिलने की बात है, वे किसी से मिलना नहीं चाहते ...
...और अगर कोई जबरदस्ती उन तक पहुंचना चाहे तो उसको रोकने के लिए ही तो यहां पर हम लोग तैनात हैं।
तो तुम लोग मुझको रोकोगे?
यानी कुछ गड़बड़ जरूर है। मुझे अन्दर जाना ही पड़ेगा!
तू अन्दर नहीं, बल्कि ऊपर जाएगा नागराज
पहरेदार के हाथों में थमा 'रॉकेट लॉन्चर' गरज उठा-
पर ऐसा हुआ नहीं-
इस रॉकेट से तो मैं इच्छाधारी शक्ति द्वारा अपने शरीर को कणों में बदलकर बच जाऊंगा।
अगर वह रॉकेट लॉन्चर नागराज के शरीर से टकराता, तो जरूर नागराज को गंभीर रूप से घायल कर सकता था-
धूममममम
लेकिन इन पहरेदारों के पास अत्याधुनिक और घातक हथियार हैं। यानी जबर्दस्त किसी न किसी तरह से अपराधी अवश्य है। वर्ना उसे इतनी जबरदस्त सुरक्षा की जरूरत न पड़ती!

मोचार के धमाके की आवाज अन्दर तक आ पहुँची और चाहते से ही इन्तजार कर रहा अनुपम और टकले को पता—
बाहर किसी ने हैंड ग्रेनेड फोड़ा है। 'बहु' आ गया है। इस लड़की से जल्दी निपट, टकले, वरना दोनों से एक साथ निपटना मुश्किल हो जायगा.
पिलपिला मांस वाली लड़की! मैंने बड़े-बड़े पहलवानों की गर्दन की हड्डियाँ तोड़ दी हैं, फिर यह लड़की किस खेत की मूली है?
धाड़
आऽऽह!
यह जरूर वही है जिसके इन्तजार में ... 'बहु' आ गया है।
ये 'बहु' कौन हो सकता है?
खैर, यह तो 'बहु' के यहां आने पर पता चल ही जायगा, फिलहाल तो इस स्टीली टकले को अपने शरीर का पिंजरा खोलने से रोकना होगा, और यह काम करेगा मेरा नानचाकू.
इसका एक ही वार मजबूत से मजबूत हड्डी को तोड़ डालने के लिए पर्याप्त है। टकले के शरीर में स्टील के पत्तर सही, लेकिन दर्द तो पहुँचा ही देगी.
शीलोचना ने हाथ में ... उठा लिया था, उससे टकले का बच पाना मुश्किल था—
आऽऽह.
हर वार के साथ टकले के मुंह से दर्दभरी चीखें उबल रही थीं—

लेकिन बाहर की स्थिति कुछ अलग थी-
हथियार दूसरों के हाथ में थे, और बचाव नागराज को था-
यहां का शोर सुनकर चारों तरफ से पहरेदार गुंडे मेरी तरफ ही आ रहे हैं ... लगता है उग्रदूत तक पहुंचने में समय लगेगा
ये पहरेदार तो कम ही रहे हैं अब इनको रास्ते में ही रोकना होगा
नागराज की सर्प सेना, आगे इन दुश्मनों की तरफ उछल गई-
लेकिन गोलियों की बौछार को पार करके, सिर्फ कुछ ही सर्प, दुश्मनों तक पहुंच पाए-
और इनसे निपटना इन पहरेदारों के लिए कोई मुश्किल काम नहीं था-
इससे पहले कि नागराज परिस्थिति समझ कर कोई दूसरा वार कर पाता, उसे खुद को बचाने के लिए विवश हो जाना पड़ा-
ओह! अब ये ग्रेनेडों से हमला कर रहे हैं, गोलियों से तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, पर ग्रेनेड मुझे अपूर्णीय क्षति पहुंचा सकते हैं!...
विष फुंकार का प्रयोग असरकारक नहीं होगा! क्योंकि ये गुंडे दूर और अलग-अलग खड़े हुए हैं!

इसलिए फिलहाल दो तरफ से लड़ाई लड़नी पड़ेगी इधर मैं इनका ध्यान बटाऊंगा...
... और उधर मेरी सर्प सेना सामने से नहीं बल्कि पीछे से इन पर हमला करेगी।
न तो सर्प-सेना को अपना हमला रोकने में ज्यादा वक्त लगा-
न ही पहले पहरेदार को गिरने में-
और न ही नागराज को उसे बेहोशी की दुनिया में पहुंचाने में-
अब हमला सिर्फ वीतराग में था-
जो जल्दी ही सिर्फ एक तरफ से रह गया-
आखिरी पहरेदार ने अपनी आखिरी कोशिश तो जरूर की-
लेकिन बांटी को वह भी नहीं टाल सका-
अब उसे आह को ढूंढना है
और उससे उगलवाना है कि आखिर सच क्या है?

जब्बू शाह, फिलहाल भागने का रास्ता ढूंढ रहा था-
जब तक ये दोनों लड़ रहे हैं, तब तक मैं भाग लूं! क्योंकि टकला, इस लड़की को रोक नहीं पायेगा
नीलोफर का पूरा ध्यान जब्बू शाह पर ही था-
ओह! जब्बू शाह भागने की कोशिश कर रहा है.
पर मैं इसे भागने नहीं दूंगी.
नीलोफर नागधागे के रूप से ज्यादा इस्तेमाल जानती थी-
जब्बू शाह लड़खड़ाकर जमीन पर आ गिरा
यह जुबान खुलवाने का तरीका नहीं है; पहले इसका अपराध तो जान लो.
बिना अपराध के सख्ती करना न तो मानवीय रूप से जायज है, और न ही कानूनी रूप से.
और नीलोफर ने उसे बाज की तरह दबोच लिया-
आऽऽऽघ
तूने अपने सारे वार कर लिए जब्बू! अब मेरी बारी है. सुन ले, जुबान खोलेगा, या सांसें बन्द करवाएगा?
नागराज!

अपराध ... को इसका? यह मेरे पिता संगीतकार रवि मेनन का कातिल है! वर्ना मेरे पिता की लाश के पास इसका टेलीफोन नम्बर कहां से आता, और यह इतनी सिक्योरिटी क्यों रखता?
न... नहीं, नहीं! (आह) म... मैं रवि मेनन का कातिल नहीं हूं; और वो फोन नम्बर तो उनके पास इसलिए होगा, क्योंकि उनसे मेरी पुरानी जान-पहचान थी!
यह शायद सच बोल रहा हो नागराज, या शायद झूठ! पर राज ने मुझे इस केस के बारे में काफी जानकारी दी है
और मुझे लग रहा है कि तुम एक बात या तो जानती नहीं हो या भूल रही हो; और वह यह कि रवि मेनन की मौत के दिन उस खंडहर में उसके साथ उसका साथी संगीतकार चन्द्रशेखर भी गया था और वह तब से लापता है!
और तब से सड़कों पर एक ऐसा अपराधी भी घूम रहा है जो अपना नाम सपेरा बताता है, और अपराध संगीत से करता है!
इसलिए जब तक यह तय नहीं हो जाए कि असली कातिल कौन है, तब तक तुम इसकी जान लेने की कोशिश मत करो, वरना मुझे पहले तुमको रोकना होगा!
यह तो संभव नहीं है नागराज, क्योंकि अगर ये कातिल नहीं है, तो भी इसका इस हत्या से संबंध जरूर है। इसीलिए मैं इसे अभी आजाद नहीं कर सकती!
तो फिर तैयार हो जाओ मेरी सर्प सेना से निपटने के लिए — ओह!
मैं तुमको इतना मौका नहीं दूंगी कि तुम मुझ पर वार कर सको!
इसी वक्त बाहर—
ओह! मुझसे पहले कोई और यहां तक पहुंच चुका है। मुझे सतर्क रहना चाहिए!

अचानक- नागराज और नीलोफर बिना बात के ही आपस में जूझ रहे थे-
तुम अपने होश में नहीं हो नीलोफर बदले की भावना ने तुमको अंधा कर दिया है। तुमको होश में लाना होगा। और इसके लिए मैं किसी हथियार का इस्तेमाल नहीं करूंगा क्योंकि तुम भी निहत्थी ही हो...
क्योंकि मेरी उंगलियों का वार तक तुम्हारे पेट को फाड़ सकता है जरा सोचो कि अगर मैंने तुम्हारे दिल पर वार कर दिया तो क्या होगा?
यह किसी आम इंसान का नहीं, बल्कि नागराज का शरीर है नीलोफर मेरे घावों को तो मेरे शरीर के सूक्ष्म सर्प भर देंगे लेकिन तुम तर्क रहना। कहीं मेरा खून तुम्हारे शरीर के अन्दर घुस गया तो तुम्हारा शरीर मोम की तरह गल जाएगा।
तब तो तुम पछताओगे नागराज
यह लड़ाई न जाने कितनी देर तक चलती-
आ ऽऽऽह!
अगर एक 'टंकार' की शक्तिशाली तरंगें उनको अलग अलग न फेंक देतीं-
ओह! यह क्या

चौंक गया नागराज? पर यकीन मत हो, मैं भी मुझे यहां पर देखकर उतना ही चकित हूं जितना कि तू मुझे यहां देख कर, पर ये लड़की कौन है?
यही है, यह... यह मुझे मारने आया है. मैं ने... इसी... इसी से बचने के लिए सिक्योरिटी लगा रखी थी. मुझे बचा लो!
यही वह संगीतकार होगा, उसका बोलना... क्या नाम... हां, चंद्रशेखर, अब नर्तक बन गया है.
लेकिन... मैंने उसकी तस्वीर देखी है. यह वो नहीं है, कोई और है.
वही होगा, देखो इसके चेहरे पर मास्क लगा है!
ओह! सचमुच, पहले मैंने ध्यान ही नहीं दिया इस बात पर!
इसी ने मारा होगा रवि सेठ को
नकाब उतरते ही और नीलोफर की शक्ल देखते ही मंजर फर्क के लिए
तब तो जरूर वह सच बोल रहा है. रवि सेठ की बेटी नीलोफर की तेरी असली शक्ल देखनी ही होगी, और वह सूरत ही सच झूठ का फैसला कर देगी...
...क्योंकि चंद्रशेखर की मैंने भी देखा हुआ है
और उसी पल में उसे जलील सूंघनी पड़ गई-
नीलोफर की नुकीली उंगलियां, मास्क के चेहरे पर कसने के लिए बढ़ीं
यह तो सचमुच मास्क है. यानी तू किसी कारण से अपनी शक्ल छिपाना चाहता है. और वह कारण सिर्फ यही हो सकता है!...

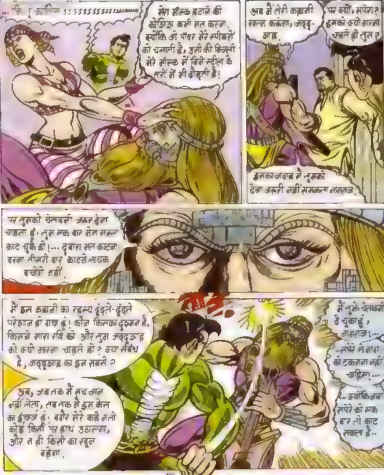
कि : कशिश ssssssssssss
मेरा मॉस्क हटाने की कोशिश कभी मत करना. क्योंकि जो पॉवर मेरे स्पीकरों को चलाती है, उसी की बिजली मेरे मॉस्क में छिपे स्टील के तारों में भी दौड़ती है!
अब मैं तेरी कहानी खत्म करूंगा, जबदूशाह.
पर क्यों, सपेरा? इसको क्यों मारना चाहते हो तुम?
इसका जवाब मैं तुमको देना जरूरी नहीं समझता नागराज.
पर तुमको चेतावनी जरूर देना चाहता हूं. तुम एक बार मेरा रास्ता काट चुके हो!... दुबारा मत काटना वरना तीसरी बार काटने लायक बचोगे नहीं.
मैं इस कहानी का रहस्य ढूंढते-ढूंढते परेशान हो गया हूं! कौन किसका दुश्मन है, किसने मारा रवि को और तुम जबदूशाह को क्यों मारना चाहते हो? क्या संबंध है, जबदूशाह का इन सबसे?
अब, जब तक मैं सच जान नहीं लेता, तब तक मैं इस केस का इंचार्ज हूं. बगैर मेरे कहे न तो कोई किसी पर हाथ उठाएगा, और न ही किसी का खून बहेगा.
मैं तुझे चेतावनी दे चुका हूं, नागराज!... ...सपेरे से नाग को टकराना नहीं चाहिए!...
...क्योंकि नाग सपेरे को एक बार तो काट सकता है...

... लेकिन दुष्ट नगीना
इसके काटे की जड़ी पहले से ही तैयार करके रखता है। मैंने भी एक नहीं, कई कट तैयार कर ली है ....
...ले, सुन और झेल.
ओह! यह तीव्र सीटी तो मेरे दिमाग को ऐसे मथ रही है, जैसे तिलक होल को बिजली :
हाथ, कान पर रखने से यह ध्वनि रुक नहीं पा रही है !... यह आवाज मेरे मस्तिष्क को नष्ट कर देगी
इसको रोकने का एक ही तरीका है..
... कि मैं मेरी 'श्रवणनली' को अवरुद्ध कर दूं, ताकि आवाज मस्तिष्क तक पहुंच ही न सके!...
... ध्वनि को तो मैं अभी भी महसूस कर सकता हूं पर अब इसमें मुझे बेचैन करने योग्य तीव्रता नहीं है ...
... अब सबसे पहला काम इस सीटी को बंद करना है, और यह काम मेरे सर्प इसके मुंह से लगी नली के छिद्रों को बन्द करके आराम से कर सकते हैं ...
मैं अपने शरीर के सूक्ष्म सर्पों को आदेश देता हूं ...

मेरे सूक्ष्म सर्पों ने कर्णिका को बंद कर दिया है, तीखी ध्वनि निकलनी बंद हो गई है! ..
.. इन यंत्रों से मैं बिजली छोड़कर भी तेरे सांपों को हटा नहीं सकता, क्योंकि ऐसा करने से मेरे यंत्र ही शार्ट सर्किट होकर खराब हो जाएंगे!
पर चिन्ता की बात नहीं है मेरे लिए मैं एक खास हथियार लाया हूं.
... यह बीन, अब मैं असली सपेरा बन गया हूं इस खास बीन की खास धुन सुनकर तेरे पैर अपने आपको रोक नहीं पाएंगे!
वाइपरों से छोनी हुई मोहिनी धुन बीन में से गुजरी, और संगीत लहरें हवा में तैरने लगीं–
ओह, सचमुच मैं इस धुन का प्रतिरोध नहीं कर पा रहा हूं यह मुझे मदहोश कर रही है ..
.. मेरे कान बंद होने के बावजूद इसके कंपन मेरे शरीर में स्पंदन पैदा कर रहे हैं .. इनसे बचने का कोई तरीका नहीं है ...
हा हा हा देखी मेरी शक्ति नागराज, अगर मैं इस धुन की तीव्रता को जरा सा और बढ़ा दूं तो तेरे शरीर के सांप भी बाहर निकलकर नाचने लगेंगे, अजगर और कुछ नहीं कर पाएगा ..
.. अब तेरी मौत का वक्त आ गया है अजगर! और तेरा समय बरबाद न हो, इसलिए मैं तेरे मरने और क्रियाकर्म का काम एक साथ ही कर देता हूं ...
...दीपक रहा मैं!

तारों पर थिरकने लगीं, और दो अलग-अलग धुनें, स्वीकर-एम्प्लीफायर से होती हुई, जबूशाह की नरक-लपकी-
और रागों के इस सम्मिश्रण से पैदा हुई 'दीपक राग' ने वायु की पर्तों के बीच एक ऐसा अभूत घर्षण पैदा कर दिया -
जिसने जबूशाह के शरीर को झुलसाना शुरू कर दिया -
आऽऽऽह ! मुझे क्यों जला रहे हो तुम ? क्या बिगाड़ा है मैंने तुम्हारा ?
जानना चाहता है ? बताता हूं क्योंकि मैं भी तुमसे कुछ जानना चाहता हूं . ले देख मेरी शक्ल पहचान मुझे कमीने , देख तूने क्या हाल कर दिया है मेरा .
रवि मेनन . आह... तु... तुम जिन्दा हो ? मर गया है ... फिर वह लाश किसकी थी ?
वह लाश चंद्रशेखर की थी । बेचारा . मैंने उसे बचाने की बहुत कोशिश की . पर बचा नहीं पाया ! अब अगर तू जलने से बचना चाहता है तो मुझे यह बता कि जहां पर तूने मुझे फोन करके बुलाया था , वहां पर तेरे कहने पर धुएं से हमला मुझ पर किसने करवाया ? हालांकि वह अरकम हमारे वहां पहुंचने से पहले ही मर गया था ...
इसलिए वह यह नहीं देख पाया कि वहां पर मैं अकेला नहीं गया था, बल्कि दो लोग गए थे ..

कौन था वह?
मुझे।
लेकिन याद रख,
बीन की धुन पर नाच रहा नागराज, मगर सब सुन रहा था-
लेकिन सपेरा, यह सब पहले ही भांप चुका था-
नागराज को तड़पता हुआ छोड़कर सपेरा पल में तुरन्त रफूचक्कर हो गया-

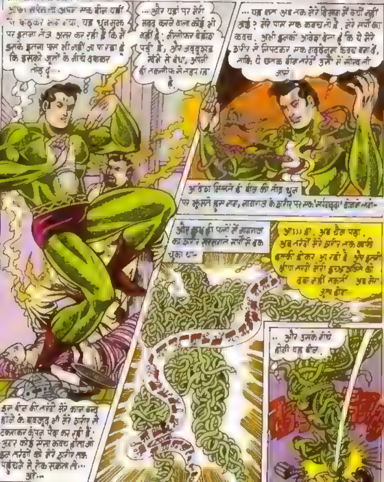
ओफ्फ! सपेरा तो अपना एक बीन यहीं पे छोड़कर चला गया. यह धुन मुझ पर इतना तेज असर कर रही है कि मैं इसके इतना पास भी नहीं जा पा रहा हूं कि इसको जूतों के नीचे दबाकर तोड़ दूं...
...और यहां पर मेरी मदद करने वाला कोई भी नहीं है; नीलोफर बेहोश पड़ी है, और जयचन्द खंभे से बंधा, अपनी ही तकलीफ में डूबा हुआ है.
...यह बात अब तक मेरे दिमाग में क्यों नहीं आई? मेरे पास एक कवच तो है, मेरे सर्पों का कवच. अभी इनको आदेश देता हूं कि ये मेरे शरीर से लिपटकर एक गद्देनुमा कवच बना दें, ताकि ये घातक बीन तरंगें उन्हीं में सोख ली जाएं.
आदेश मिलते ही बीन की तीव्र धुन पर झूमते हुए नाग, नागराज के शरीर पर एक 'सर्पकवच' बनाने लगे-
और कुछ ही पलों में नागराज का शरीर सरसराते सर्पों से ढक चुका था-
आऽऽऽह! अब ठीक पड़ा. अब तरंगें मेरे शरीर तक काफी हल्की होकर आ रही हैं और इतनी हल्की तरंगें मेरी इच्छाशक्ति को दबा नहीं सकतीं.
...और इसके नीचे होगी यह बीन.
इस बीन की तरंगें मेरे कान बन्द होने के बावजूद भी मेरे शरीर से टकराकर कंपन पैदा कर रही हैं. अगर कोई ऐसा कवच होता जो इन तरंगों को मेरे शरीर तक पहुंचने से रोक सकता तो... ओह...

हां, नीलोफर, और अब तुम्हारे होश में आने का वक्त भी आ गया है. पूरे होश में आने का वक्त. जदवूशाह एक हत्या का सहयोगी तो अवश्य है, पर तुम्हारे पिता रवि मेनन की हत्या का नहीं!...
...तुम्हारे पिता रवि मेनन जिन्दा हैं। पर अब वह रवि मेनन नहीं, 'सपेरा' बन गया है। जो थी, वह रवि के द्वारा की थी!
और उस हत्या का षड्यंत्र जदवूशाह ने ही रचा हुआ था... इसको अपने किए की सजा तो सपेरा खुद दे गया...
...पर अब वह हत्या का प्रयत्न करने वाले किसी 'मूल' के पीछे गया है. हमको उसे रोकना होगा...
...वरना रवि हत्यारा बन जाएगा. इसमें तुम्हारी मदद की जरूरत भी पड़ सकती है. अब मूल का ठिकाना पता करना है
और वह पता जदवूशाह बताएगा। बोल, जदवू, कहां रहता है वह मूल?
अब मुझे इस जलन से मुक्ति दिला दो.
उधर परसू परेशान था-
पर घंटी बजी जा रही है, पर जदवू के यहां कोई फोन ही नहीं उठा रहा है। सब मर गए हैं क्या?
अधमरे हो चुके हैं.
मैंने बोला, सपेरा ने
कौन है रे तू? तेरी आवाज ऐसे रेडियो से आ रही है.
हम जाने से पहले एंबुलेंस को फोन करते जाएंगे.
तेरे साथ तेरे टूटे-फूटे पहरेदारों को भी ले जाएंगे!
ये कौन बोला?
मैं तेरी मौत हूं, और तेरी भी मूल। तुम लोगों ने जो मुझे दिया है, वह सूद समेत वापस करने आया हूं!...

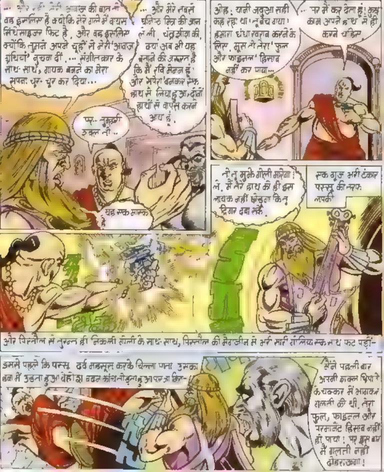
... और मेरी आवाज़ की बात नी वह इसलिए है क्योंकि मेरे गले में वायस सिंथेसाइजर फिट है, और वह इसलिए क्योंकि तुमने अपने चूहे से मेरी 'आवाज़ ग्रंथियां' नुचवा दीं ... संगीतकार के साथ-साथ, गायक बनने का मेरा सपना चूर-चूर कर दिया...
... और मेरे सबसे घनिष्ठ मित्र की जान ले ली, चंद्रशेखर की, क्या अब भी यह बताने की ज़रूरत है कि मैं रवि मेनन हूं और 'सपेरा' बनकर एक, हाथ से लिया हुआ, दोनों हाथों से वापस करने आया हूं।
प-- तुम्हारी शक्ल नी ..
यह एक मास्क है
ओह! यानी जडुआ सही कह रहा था। तू बच गया! हमारा धंधा खराब करने के लिए, मैं तो तेरा 'फुल और फाइनल' हिसाब नहीं कर पाया...
... पर मैं कर देता हूं! कुछ काम अपने हाथ से ही करने चाहिए
तो तू मुझे गोली मारेगा! ले, मैं तेरे हाथ को ही इस लायक नहीं छोड़ता कि तू ट्रिगर दबा सके.
एक गूंज भरी टंकार पस्सू की तरफ लपकी
और पिस्तौल से तुरन्त ही निकली गोली के साथ-साथ, पिस्तौल की मैगज़ीन में भरी सारी गोलियां एक साथ फट पड़ीं-
इससे पहले कि पस्सू दर्द महसूस करके चिल्ला पाता, उसका हवा में उड़ता हुआ बेहोश बदन कांच तोड़ता हुआ पार जा गिरा-
मैंने पहली बार असली शक्ल छिपाने के चक्कर में भयानक गलती की थी, तेरा फुल, फाइनल और परमानेंट हिसाब नहीं हो पाया! पर इस बार मैं गलती नहीं दोहराऊंगा!

के मुंह से एक अजीब आवाज निकली-
और एक दरवाजा ऐसे चरमराने लगा मानो उस पर अंदर से भयंकर दबाव पड़ रहा हो-
लगभग पांच सेकंड बाद ही सपेरा को यह पता चल गया कि दरवाजे के पीछे का दबाव किस चीज का था-
चूहे... सैकड़ों, हजारों चूहे...
लेकिन इस बार ये कामयाब नहीं होंगे, क्योंकि इस बार मैं इनको जलाकर खत्म कर दूंगा!
दीपक राग ने चूहों के सामने आग की दीवार खड़ी कर दी-
लेकिन चूहों को अपनी जान से ज्यादा मालिक के आदेश की परवाह थी-
आह... ये चूहे... तो आग की दीवार पार करके मुझ पर कूद रहे हैं! मेरे सितार की लकड़ी को काट रहे हैं मुझे काट रहे हैं।
पिछली बार इनके भाई बन्दों ने तेरे दोस्त के गोश्त का स्वाद चखा था! आज ये तेरा डिनर करके अपनी भूख मिटाएंगे!
फुल, फाइनल और परमानेंट तरीके से!

आऽऽऽह! मैंने इन चूहों की अपनी नष्ट शक्तियों के सामने बहुत कम करके आंका था! पर इनका हमला तो जबरदस्त है ये तो मुझे नोंचे डाल रहे हैं, कोई धुन या राग सोचने तक का मौका नहीं दे रहे हैं!
देखा? मौत, इन्सान को उस जगह पर खींच ही लाती है, जहां उसे मरना होता है. तू बच गया, भाग गया, लेकिन फिर वापस मरने के लिए मेरे ही पास आ गया.
लेकिन जिसकी मौत न आई हो, उसे बचाने के लिए भगवान किसी साधन को भी भेज देता है
नागराज.
तेरे पास अगर हजारों चूहे हैं तो उनको खाने के लिए मेरे पास सैकड़ों, हजारों ही नहीं, बल्कि लाखों सर्प हैं
नागराज के शरीर से सर्प सेना की बाढ़ निकलकर, चूहों की तरफ लपक पड़ी, और उनको निगलने लगी.

अब तुम्हारी बारी है, तूम. अपने चूहों को वापस बुलाओगे, या उनको मेरे सांपों का भोजन बनवाओगे।
मेरे पास बहुत चूहे हैं, नागराज तू अपने सांपों की खैर मना! अगर एक-एक सांप पर चार-चार चूहे फिर पड़ें तो तेरे सांप भी नहीं बच पाएंगे।
नागराज और मूस के आपस में उलझने से-
मीलोफर और रविमेनन उर्फ 'सपेरा' को एक दूसरे से मिलने का वक्त मिल गया-
आ... आप जिन्दा हैं पापा पर ये बात आपने हम सबसे क्यों छिपाई?
और... जबुरुशाह और परसू से आपकी दुश्मनी क्यों हो गई?
शुरू से सुनोगी तो सब समझ जाओगी.
तुमको याद होगा कि मैंने संगीत के माध्यम से फसलों के बढ़ने की रफ्तार बढ़ा दी थी, और साथ ही साथ उनके अन्दर कीड़े मकोड़ों से बचने की प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ा दी थी. इससे जबुरुशाह और परसू के दिल में बेवजह का डर बैठ गया, क्योंकि एक खादों का डीलर था, और दूसरा कीटनाशक दवाइयों का.
इनको यह डर हो गया कि इस इलाके में इनका माल बिकना ही बन्द हो जाएगा, और ये बर्बाद हो जाएंगे. क्योंकि इनके पास इसी इलाके की डीलरशिप थी. यह सोचकर इन्होंने मुझको रास्ते से हटाने की ठान ली.
"इसके लिए पहले तो इन्होंने मुझसे मामूली जान पहचान की, और फिर दो-तीन मुलाकातों के बाद, एक दिन जबुरुशाह ने मुझे फोन किया. मुझे बताया कि उसे अपनी एक इमारत की खुदाई में कुछ प्राचीन हस्तलेख मिले हैं जो संगीत से संबंधित लगते हैं. चाहता था कि मैं उनको एक नजर देख लूं ताकि यह पता चल सके कि वास्तव में महत्त्वपूर्ण हैं या नहीं-"
अच्छा? मैं थोड़ी देर में आपको फोन करता हूं।
आप अपना नम्बर मुझे दे दीजिए

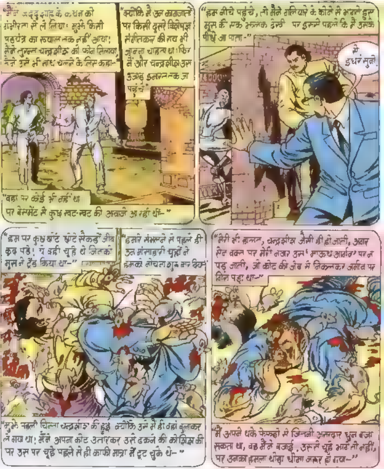
"मैंने बदरु शाह के कथन को गंभीरता से ले लिया। मुझे किसी षड्यंत्र का ख्याल तक नहीं आया; मैंने तुरन्त चन्द्रशेखर को फोन मिलाया, मैंने उसे भी साथ चलने के लिए कहा-"
"क्योंकि मैं उन मकड़जालों पर किसी दूसरे विशेषज्ञ मनोचिकित्सक की राय भी जानना चाहता था। फिर मैं और चन्द्रशेखर उस उजाड़ इमारत तक जा पहुंचे।"
"वहां पर कोई भी नहीं था
पर बेसमेंट से कुछ खट-खट की आवाजें आ रही थीं-"
"हम नीचे पहुंचे, तो मैंने गलियारे के कोने से भागते हुए मूस की एक झलक देखी पर इससे पहले कि मैं उसके पीछे जा पाता-"
मैं इधर मुड़ा।
"हम पर कुछ छोटे छोटे सैकड़ों जीव कूद पड़े! ये वही चूहे थे जिनको मूस ने ट्रेंड किया था-"
"हमारे संभलने से पहले ही उन मांसाहारी चूहों ने हमको नोचना शुरू कर दिया"
"मेरी भी हालत, चन्द्रशेखर जैसी ही हो जाती, अगर ऐन वक्त पर मेरी नजर उस 'माउथ आर्गन' पर न पड़ जाती, जो कोट की जेब से निकलकर जमीन पर गिर पड़ा था-"
"मुझे पहली चिन्ता चन्द्रशेखर की हुई, क्योंकि उसे मैं ही वहां बुलाकर ले गया था! मैंने अपना कोट उतारकर उसे ढकने की कोशिश की पर उस पर चूहे पहले से ही काफी मात्रा में टूट चुके थे-"
"मैं अपने थके फेफड़ों से जितनी असरदार धुन बजा सकता था, वह मैंने बजाई, उससे चूहे भागे तो नहीं, पर उनका हमला थोड़ा धीमा जरूर हो गया-"

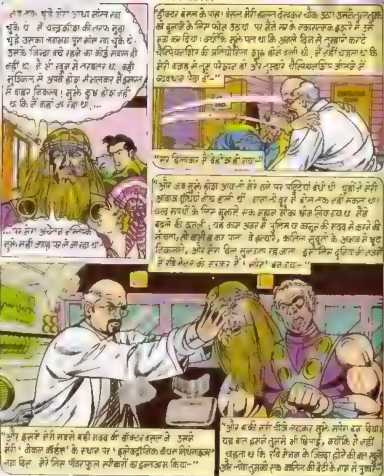
तब तक चूहे मेरा आधा मांस खा चुके थे मैं चन्द्रप्रीका की तरफ मुड़ा चूहे उसका लगभग पूरा मांस खा चुके थे। उसके जिन्दा बचे रहने का कोई सवाल ही नहीं था मैं भी खून में तरबतर था बड़ी मुश्किल से अपने होश संभालकर मैं श्मशान से बाहर निकला! मुझे कुछ होश नहीं था कि मैं कहां जा रहा था,...
... पर मेरा अचेतन मस्तिष्क मुझे सही जगह पर ले जा रहा था-
"डॉक्टर बंसल के पास। बंसल मेरी हालत देखकर चौंक उठा! उसने तुरन्त पुलिस को बुलाने के लिए फोन उठाया पर मैंने सर के नकारात्मक इशारे से उसे मना कर दिया। क्योंकि मुझे पता था कि अगले दिन से तुम्हारे कराटे चैम्पियनशिप की प्रतियोगिता शुरू होने वाली थी, मैं नहीं चाहता था कि मेरी वजह से तुम परेशान हो और तुम्हारे चैम्पियनशिप जीतने में व्यवधान पैदा हो-"
"सर हिलाकर मैं बेहोश हो गया-"
"और जब मुझे होश आया तो मेरे गले पर पट्टियां बंधी थीं चूहों ने मेरी आवाज ग्रंथियां नोच डाली थीं हालात ये थे कि मैं बोल तक नहीं सकता था। चन्द रुपयों के लिए मुझसे एक नाजुक मौका छीन लिया गया था मैंने बदले की ठानी; यह काम अगर मैं पुलिस या कानून की मदद से करने की सोचता, तो कभी न कर पाता वे हत्यारे, कातिल सबूतों के अभाव में छूट निकलते, और मेरा दिल सुलगता रह जाता इसलिए दुनिया की नजरों में रवि सेठल की जगह मैं 'स्नेक' बन गया-"
"और इसमें मेरी सबसे बड़ी मदद की डॉक्टर बंसल ने उसने मेरी 'वोकल कॉर्डस' के स्थान पर 'इलेक्ट्रॉनिक वॉयस सिंथेसाइजर' लगा दिए मेरे लिए पॉवरफुल स्पीकरों का इन्तजाम किया-"
"और बाकी नयी चीजें लगाकर मुझे स्नेक बना दिया। यह बात हमने तुमसे भी छिपाई, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि रवि सेठल के जिन्दा होने की बात खुले और लोग तुमको एक कातिल की बेटी के नाम से पुकारें-"

इन सब कामों में लगभग दो महीने बीत चुके थे लेकिन तब तक भी 'रवि मेनन' की लाश किसी को भी नहीं मिली थी। इसीलिए पहले तो रवि मेनन की लाश को दुनिया के सामने लाना बहुत जरूरी था, और फिर बदले के अभियान पर निकलना था-
"इसके लिए मैंने जदूदूशाह के सुरिया गोदाम को निशाना बनाया और फिर नागराज के जरिए अपनी लाश को दुनिया वालों के सामने ला दिया। बंसल ने भी 'मेरी लाश' को पहचानकर सबके शक दूर कर दिए--"
लेकिन जदूदूशाह से सच उगलवाने के लिए मुझे अपना असली रूप उसे दिखाना ही पड़ा और बदकिस्मती से नागराज ने भी यह बात सुन ली।
पर जो हो गया सो हो गया। अब इस मूसको अपनी करनी का फल मिलना ही चाहिए। तुम इसे छोड़ दो नागराज।
होश में आओ रवि! तुम एक संगीतकार हो, हत्यारे नहीं। इसे मारकर अपराध की दुनिया में मत जाओ। वहां से तुम कभी वापस नहीं आ पाओगे। हमेशा के लिए 'सपेरा' बन जाओगे। अपना काम कानून के लिए छोड़ दो!
कानून? हाहाहा, कहां से लाऊंगा मैं सबूत, कहां से लाऊंगा चश्मदीद गवाह? मैं कानून का तमाशा देखता रह जाऊंगा, और ये हत्यारे छूट जाएंगे... अपना बदला मैं खुद लूंगा, तुम हट जाओ।
ये काम मुझे करने दीजिए, अपना बदला मुझ पर छोड़ दीजिए!
नहीं, रवि, खून से अपने हाथ मत रंगो!
नागराज ठीक कह रहा है, पापा, आप ये काम नहीं

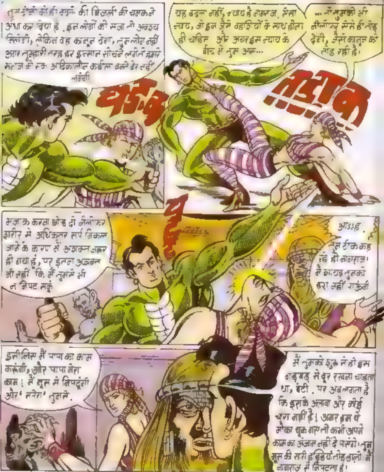

तुम दोनों को ही शक्ति की बिजली की चमक ने अंधा कर दिया है. इन लोगों को सज़ा तो अवश्य मिलेगी, लेकिन वह कानून देगा, तुम लोग नहीं. अगर तुम्हारी तरह हर इन्सान सोचने लगेगा तो हमारे समाज को एक आदिकालीन कबीला बनते देर नहीं लगेगी
यह बदला नहीं, न्याय है नागराज. ऐसा न्याय, जो इन जैसे वहशियों के साथ होना ही चाहिए और अगर इस न्याय के बीच में तुम आए...
...तो तुमको भी नीलोफर ऐसे ही तोड़ देगी, जैसे कानून को तोड़ रही है.
मज़ाक करना छोड़ दो नीलोफर. शरीर से अधिकतर सर्प निकल जाने के कारण मैं अशक्त ज़रूर हो गया हूं, पर इतना अशक्त भी नहीं कि मैं तुमसे भी न निपट सकूं
आऽऽह. तुम ठीक कह रहे हो नागराज। मैं शायद तुमको हरा नहीं सकूंगी
इसीलिए मैं पापा का काम करूंगी, और पापा मेरा काम! मैं इस से निपटूंगी और 'सपेरा' तुमसे.
मैं तुमको शुरू से ही इस गड़बड़ से दूर रखना चाहता था, बेटी. पर अब लगता है कि इसके अलावा और कोई चारा नहीं है। अगर हम ये मौका चूक गए तो कभी अपने काम का अंजाम नहीं दे पाएंगे। तुम इस की सारी हड्डियां तोड़ डालो, मैं नागराज से निपटता हूं!

यह तेरी एक बीन से बचकर तो यहां तक न जाने कैसे आ गया, लेकिन मेरी दूसरी बीन इसको यहां से बच कर जाने नहीं देगी!
अगर धूर्त मेरा गिटार न काट गए होते, और मेरे स्पीकरों को खराब न कर जाते तो मैं इसका इससे भी बुरा हाल करता!
सपेरा की दूसरी बीन में 'कंप्रेस्ड स्वर' बजने लगी, और फिर वही मदमाती धुन हवा में तैरने लगी, जिससे नागराज बड़ी मुश्किल से बच पाया था–
ओह! फिर वही धुन! इस बार तो मेरे शरीर में इतने सांप भी नहीं बचे हैं, जो मेरे शरीर को ढककर सुरक्षा कवच बना सकें! और जब तक मैं इससे छुटकारा पाने का कोई रास्ता सोच पाऊंगा, तब तक मूस और पस्त्र अधमरे हो चुके होंगे!

नागराज के सर्प अभी भी चूहों को समाप्त करने में व्यस्त थे। लेकिन उन पर भी बीन की स्वर लहरियों का असर हो रहा था–
ओह! यह धुन रोक दो सपेरा! वरना ये चूहे मेरी सर्प सेना से बच जायेंगे और फिर तुम लोगों पर हमला कर बैठेंगे!
तू मुझे अपने जाल में नहीं फंसा सकता नागराज। चूहों की संख्या अब काफी कम हो चुकी है। ये अब नुकसान पहुंचायेंगे भी तो थोड़ा सा। पर अगर मैंने बीन बन्द कर दी तो मेरी योजना ही चकनाचूर हो जायेगी।
ओह। इस बार मेरा शरीर बहुत जल्दी थकता जा रहा है। क्योंकि सर्पों के शरीर से निकल जाने के कारण मेरी शक्ति पहले ही क्षीण हो चुकी है। अपने सर्पों को आदेश देना ही पड़ेगा कि वे मेरे शरीर पर फिर से कवच बनाने की कोशिश करें। हालांकि यह काम मुश्किल तो होगा क्योंकि बीन की धुन पर मैं भी थिरकने को मजबूर हूं, और मेरे सर्प भी।
पर इसके अलावा और कोई रास्ता नहीं... है। एक रास्ता समझ में आता है। और वह रास्ता सटीक होने के साथ-साथ मुझे अपने मकसद में जल्दी कामयाबी भी दिलवायेगा।
नागराज, अपने सर्पों को मानसिक संकेत भेजने लगा–
और चूहों से लड़ने के लिए कुछ जांबाज सर्पों को पीछे छोड़ बाकी सभी सर्प अलग-अलग दिशाओं में सरसरा उठे–
और कमरे में हवा आने-जाने के लिए मौजूद सभी दरारों और छिद्रों को अपने शरीरों से भरने लगे–

* निर्वात : वैक्यूम (ऐसी जगह जहां वायु का एक भी अणु मौजूद न हो)

... काबू में करने में!
नागराज ने अपने द्वारा ही तय की गई समय अवधि में ही अपने लक्ष्य को पा लिया था–
नागराज ने 'सपेरा' को ही नाच नचा दिया था–
और इस तरह से 'सपेरा' का अरमान उसके दिल में ही रह गया। वैसे सच पूछो आरती तो मुझे सपेरा के साथ सहानुभूति है। उसने गलती की तो सिर्फ इतनी कि कानून को अपने हाथों में लेने की कोशिश की।
हर इन्सान की बर्बादी के पीछे किसी दूसरे इन्सान द्वारा बुनी गई परिस्थितियां ही होती हैं, नाग... मेरा मतलब... राज! लेकिन फिर भी अपराध, अपराध ही होता है!
पर एक बात मैं विश्वास के साथ कह सकती हूं। आज के बाद सपेरा के नंबर एक दुश्मन जद्दू, मूस या पस्सू नहीं होंगे। नागराज होगा! इसलिए उसको सावधान रहना होगा!
आरती की जबान पर सरस्वती विराज रही थी–
मैं असफल हो गया! मेरा सारा त्याग व्यर्थ हो गया! और इसका कारण नागराज था! अब पहले मैं रास्ते के कांटे नागराज को हटाऊंगा, और फिर हटाऊंगा रास्ते के रोड़े! और ये रोड़े हैं जद्दू शाह, मूस और पस्सू!
समाप्त।